रजिस्टर्ड नं० ल०-33/एस० एम० 14.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 29 अप्रैल, 1989/9 वैशाख, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

HIMACHAL PRADESH VIDHAN SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATIONS

Shimla, the 19th April, 1989

No. 1-22/89-VS.—In pursuance to rule 135 of the Rules of Procedure and Conduct of Business of the Himachal Pradesh Legislative Assembly, 1973, the Himachal Pradesh Legislative

818-राजपत्र/89-29-4-89—1,256. मूल्य :20 पैसे ।

Assembly (Allowances and Pension of Members) (Amendment) Bill, 1989 (Bill No. 11 of 1989) having been introduced on the 19th April, 1989, in the Himachal Pradesh Vidhan Sabha is hereby published in the Gazette.

LAXMAN SINGH,
Secretary.

1989 का विधेयक संख्यांक 11.

हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पैन्शन) (संशोधन) विधेयक, 1989

(विधान सभा में यथा पुरःस्थापित)

हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पैन्शन) अधिनियम, 1971 (1971 का 8) में और संशोधन करने के लिए **विधेयक**।

भारत गणराज्य के चालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप मे यह अधिनियमित हो:—

संक्षिप्त नाम।

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पैन्शन) (संशोधन) अधिनियम, 1989 है।

1971 को 8

धारा 6 का संशोधन।

2. हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पैंशन) अधिनियम, 1971 की धारा 6 के विद्यमान द्वितीय परन्तुक क स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

"परन्तु यह और कि सदस्य भारत में वायु-मार्ग द्वारा यात्रा कर सकेगा और उस दशा में, ऐसी यात्रा पर उपगत व्यय के बराबर की रकम की सदस्य को प्रतिपूर्ति की जाएगी और इस प्रकार की गई प्रतिपूर्ति की रकम का, उसकी ऐसी रेल यात्रा में, जिसका वह हकदार है, समायोजन किया जाएगा।"

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पैन्शन) अधिनियम, 1971 की धारा 6 में उपबन्ध किया गया है कि यदि सदस्य द्वारा यात्रा वायु-मार्ग से की जाती है तो उसे ऐसी यात्रा के लिए पहले दर्जे के एक टिकट के किराए के बराबर रकम संदत्त की जाएगी। क्योंकि प्रदेश और देश के अनेक स्थल अभी तक रेल द्वारा जुड़े हुए नहीं हैं, जिसके कारण ऐसी यात्रा के किराए की रकम की गणना करना कठिन हो जाता है। इसलिए वायु-मार्ग द्वारा की जाने वाली यात्रा की हकदारी को विनियमित करने वाले उक्त उपबन्धों में, संदिग्धता और कमी है। अतः उक्त अधिनियम की पूर्वोक्त संदिग्धता को दूर करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

वीरभद्र सिंह,
मुख्य मंत्री।

शिमला:
/ 19-4-1989.

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक के खण्ड 2 में, विधान सभा के किसी सदस्य द्वारा वायु-मार्ग से की जाने वाली यात्रा पर उपगत व्यय की उसे प्रतिपूर्ति करने का उपबन्ध किया जा रहा है और प्रतिपूर्ति के रूप में दी जाने वाली रकम का, विद्यमान उपबन्धों के अधीन उसकी ऐसी रेल यात्रा में, जिसका वह हकदार है, समायोजन किया जाएगा। अतः प्रस्तावित उपबन्धों के अधिनियमित होने पर राजकोष से कोई अतिरिक्त व्यय नहीं होगा।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

शून्य

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिश

[संचिका सं0-जी0 ए0 डी0 (पी0 ए0)-4 (डी)-4/89]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पैन्शन) (संशोधन) विधेयक, 1989 की विषय वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

[*Authoritative English text of the Himachal Pradesh Vidhan Sabha (Sadasyon ke Bhatte aur Pension) (Sanshodhan) Vidheyak*, 1989 (1989 *ka Vidheyak Sankhyank* 11) *as required under Clause* (3) *of Article* 348 *of the Constitution of India*].

Bill No. 11 of 1989.

THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY (ALLOWANCES AND PENSION OF MEMBERS) (AMENDMENT) BILL, 1989

(AS INTRODUCED IN THE LEGISATIVE ASSEMBY)

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act, 1971 (*Act No.* 8 *of* 1971).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) (Amendment) Act, 1989.

Amendment of section 6.

2. For the existing second proviso to sub-section (1) of the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act, 1971, the following proviso shall be substituted, namely:—

8 of 1971.

"Provided that journey may also be performed within India by air by the Members and in that event an amount equivalent to the expenses incurred on such journey shall be re-imbursed to the Member and the amount so re-imbursed shall be adjusted against his entitlement to travel by rail.".

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Under section 6 of the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act, 1971, provides that if the journey is performed by the member by air, he shall be paid an amount equivalent to one 1st class fare for such journey. Since many pla. s in the Pradesh as well in the country are still not connected by rail, it becomes difficult to calculate the amount of such fare. Thus there is ambiguity as well as lacuna in the said provisions regulating the entitlement of journey by air. It has, therefore, become necessary to remove the aforesaid ambiguity in the said Act.

The Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

VIRBHADRA SINGH,
Chief Minister.

SHIMLA:
The 19th April, 1989.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to provide for re-imbursement of the expenditure incurred by a Member of the State Legislative Assembly on a journey performed by him by air and the amount to be re-imbursed is to be adjusted against his entitlement by rail under the existing provisions. Thus the enactment of the proposed provisions will not involve any additional expenditure out of the State exchequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Nil

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[File No. GAD(PA)-4(D)-4/89]

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) (Amendment) Bill, 1989, recommends, under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

Shimla, the 19th April, 1989

No. 1-20/89-VS.—In pursuance to rule 135 of the Rules of Procedure and Conduct of Business of the Himachal Pradesh Legislative Assembly, 1973, the Salaries and Allowances of Deputy Ministers (Himachal Pradesh) (Amendment) Bill 1989 (Bill No. 9 of 1989), having been introduced on the 19th April, 1989, in the Himachal Pradesh Vidhan Sabha is hereby published in the Gazette.

LAXMAN SINGH,
Secretary.

1989 का विधेयक संख्यांक 9.

उप-मन्त्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) (संशोधन) विधेयक, 1989

(विधान सभा में यथा पुरःस्थापित)

उप-मन्त्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) अधिनियम, 1971 (1971 का 5) में और संशोधन करने के लिए विधेयक ।

भारत गणराज्य के चालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम उप-मन्त्रियों का वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) (संशोधन) अधिनियम, 1989 है । संक्षिप्त नाम ।

2. उप-मन्त्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) अधिनियम, 1971 की धारा 6-क के विद्यमान द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— धारा 6-क का संशोधन । 1971 का 5

"परन्तु यह और कि उप-मन्त्री और उसकी पत्नी या उसका पति या उसकी देखभाल और सहायता के लिए उसके साथ यात्रा करने वाला कोई अन्य व्यक्ति भारत में वायु मार्ग द्वारा यात्रा कर सकेगा और उस दशा में, ऐसी यात्रा पर उपगत व्यय के बराबर की रकम की, उप-मन्त्री को प्रतिपूर्ति की जाएगी और इस प्रकार की गई प्रतिपूर्ति की रकम का, उसकी ऐसी रेल यात्रा में जिसका वह हकदार है, समायोजन किया जाएगा :"।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

उप-मन्त्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) अधिनियम, 1971 की धारा 6-क. में उपबन्ध किया गया है कि यदि उप-मन्त्री द्वारा यात्रा वायु मार्ग से की जाती है तो उसे ऐसी यात्रा के लिए पहले दर्जे के एक टिकट के किराए के बराबर रकम संदत्त की जाएगी और यदि उसके साथ उसकी पत्नी या पति या उसकी देखभाल और सहायता के लिए कोई अन्य व्यक्ति यात्रा करता है तो उसे ऐसी यात्रा के लिए पहले दर्जे के दो टिकट के किराए के बराबर रकम संदत्त की जाएगी। क्योंकि प्रदेश और देश के अनेक स्थल अभी तक रेल द्वारा जुड़े हुए नहीं हैं, जिसके कारण ऐसी यात्रा के किराये की रकम की गणना करना कठिन हो जाता है। इसलिए वायु मार्ग द्वारा की जाने वाली यात्रा की हकदारी को विनियमित करने वाले उक्त उपबन्धों में, संदिग्धता और कमी है। अतः उक्त अधिनियम की पूर्वोक्त संदिग्धता को दूर करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

वीरभद्र सिंह,
मुख्य मन्त्री।

शिमला :

19 अप्रैल, 1989

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक के खण्ड 2 में, उप-मन्त्री द्वारा वायु मार्ग से की जाने वाली यात्रा पर उपगत व्यय की उसे प्रतिपूर्ति करने का उपबन्ध किया जा रहा है और प्रतिपूर्ति के रूप में दी जाने वाली रकम का, विद्यमान उपबन्धों के अधीन उसकी ऐसी रेल यात्रा में, जिसका वह हकदार है, समायोजन किया जाएगा। अतः प्रस्तावित उपबन्धों के अधिनियमित होने पर राजकोष से कोई अतिरिक्त व्यय नहीं होगा।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

शून्य

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिश

[संचिका संख्या—जी० ए० डी० (पी० ए०)-4/89]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उप-मन्त्रियों के वेतन भत्ता (हिमाचल प्रदेश) (संशोधन) विधेयक, 1989 की विषय-वस्तु के बारे में सूचित किये जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

[*Authoritative English text of the Up-Mantriyon ke Vetan aur Bhatta (Himachal Pradesh) (Sanshodhan) Vidheyak*, 1989 (1989 *ka Vidheyak Sankhyank* 9) *as required under Clause* (3) *of Article* 348 *of the Constitution of India*].

Bill No . of 1989.

THE SALARIES AND ALLOWANCES OF DEPUTY MINISTERS (HIMACHAL PRADESH) (AMENDMENT) BILL, 1989

(AS INTRODUCED IN THE LEGISATIVE ASSEMBY)

A

BILL

further to amend the Salaries and Allowances of Deputy Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971 (*Act No.* 5 *of* 1971).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

1. This Act may be called the Salaries and Allowances of Deputy Ministers (Himachal Pradesh) (Amendment) Act, 1989. Short title.

2. For the existing second proviso to section 6-A of the Salaries and Allowances of Deputy Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971, the following proviso shall be substituted, namely:— 5 of 1971. Amendment of section 6-A.

"Provided that journey may also be performed within India by air by the Deputy Minister and his spouse or any other person accompanying him to look after and assist him, in that event an amount equivalent to the expenses incurred on such journey shall be re-imbursed to the Deputy Minister and the amount so re-imbursed shall be adjusted against his entitlement to travel by rail :".

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Section 6-A of the Salaries and Allowances of Deputy Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971 provides that if the journey is performed by a Deputy Minister by air, he shall be paid an amount equivalent to one 1st class fare for such journey and if he is accompanied by his spouse or any other person to look after and assist him, he shall be paid an amount equivalent to two 1st class fares for such journey. Since many places in the Pradesh as well as in the country are still not connected by rail it becomes difficult to calculate the amount of such fare. Thus there is ambiguity as well as lacuna in the said provisions regulating the entitlement for journey by air. It has, therefore, become necessary to remove the aforesaid ambiguity in the said Act.

The Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

SHIMLA :
The 19th April 1989.

VIRBHADRA SINGH;
Chief Minister.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to provide for re-imbursement of the expenditure incurred by a Deputy Minister on a journey performed by him by air and the amount to be re-imbursed is to e adjusted against his entitlement by rail under the existing provisions. Thus the enactment of he proposed provisions will not involve any additional expenditure out of the State exchequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

NIL

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[File No. GAD (PA)-4(D)-4/89]

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Salaries and Allowances of Deputy Ministers (Himachal Pradesh) (Amendment) Bill, 1989, recommends, under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

Shimla, the 19th April 1989

No 1-21/89-VS.—In pursuance to rule 135 of the Rules of Procedure and Conduct of Business of the Himachal Pradesh Legislative Assembly, 1973, the Himachol Pradesh Legislative Assembly Speakers and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill, 1989 (Bill No. 10 of 1989) having been introduced on the 19th April, 1989, in the Himachal Pradesh Vidhan Sabha is hereby published in the Gazette.

LAXMAN SINGH,
Secretary.

1989 का विधेयक संख्यांक 10.

हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) विधेयक, 1989

(विधान सभा में यथा पुरः स्थापित)

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 (1971 का 4) में और संशोधन करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के चालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

संक्षिप्त नाम।

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) अधिनियम, 1989 है।

धारा 10-क का संशोधन।

4. 2. हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 की धारा 10-क के विद्यमान द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह और कि, यथास्थिति, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष और उसकी पत्नी या उसका पति या उसकी देखभाल और सहायता के लिए उसके साथ यात्रा करने वाला कोई अन्य व्यक्ति भारत में वायु मार्ग द्वारा यात्रा कर सकेगा और उस दशा में ऐसी यात्रा पर उपगत व्यय के बराबर की रकम की, यथास्थिति, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को प्रतिपूर्ति की जाएगी और इस प्रकार की गई प्रतिपूर्ति की रकम का, उसकी ऐसी रेल यात्रा में, जिसका वह हकदार है, समायोजन किया जाएगा :"।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 की धारा 10-क में उपबन्ध किया गया है कि यदि अध्यक्ष या उपाध्यक्ष द्वारा यात्रा वायु मार्ग से की जाती है तो उसे ऐसी यात्रा के लिए पहले दर्जे के एक टिकट के किराए के बराबर रकम संदत्त की जाएगी और यदि उसके साथ उसकी पत्नी या पति या उसकी देखभाल और सहायता के लिए कोई अन्य व्यक्ति यात्रा करता है तो उसे ऐसी यात्रा के लिए पहले दर्जे के दो टिकट के किराए के बराबर रकम संदत्त की जाएगी। क्योंकि प्रदेश और देश के अनेक स्थल अभी तक रेल द्वारा जुड़े हुए नहीं हैं, जिसके कारण ऐसी यात्रा के किराए की रकम की गणना करना कठिन हो जाता है। इसलिए वायु मार्ग द्वारा की जाने वाली यात्रा की हकदारी को विनियमित करने वाले उक्त उपबन्धों में, संदिग्धता और कमी है। अतः उक्त अधिनियम की पूर्वोक्त संदिग्धता को दूर करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

वीरभद्र सिंह,
मुख्य मंत्री।

शिमला:
19 अप्रैल, 1989.

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक के खण्ड 2 में, यथास्थिति, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष द्वारा वायु मार्ग से की जाने वाली यात्रा पर उपगत व्यय की उसे प्रतिपूर्ति करने का उपबन्ध किया जा रहा है और प्रतिपूर्ति के रूप में दी जाने वाली रकम का विद्यमान उपबन्धों के अधीन उसकी ऐसी रेल यात्रा में जिसका वह हकदार है, समायोजन किया जाएगा। अतः प्रस्तावित उपबन्धों के अधिनियमित होने पर राजकोष से कोई अतिरिक्त व्यय नहीं होगा।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

शून्य

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिश

[संचिका सं0-जी0 ए0 डी04(पी0ए0)-4 (डी)-4/89]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) विधेयक, 1989 की विषय-वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत क संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरः स्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

[*Authoritative English text of the Himachal Pradesh Vidhan Sabha Adhyakash aur Upa-adhyakash Vetan (Sanshodhan) Vidheyak*, 1989 (1989 *ka Vidheyak Sankhyank* 10) *as required under Clause* (3) *of Article* 348 *of the Constitution of India*].

Bill No. 10 of 1989.

THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY SPEAKER'S AND DEPUTY SPEAKER'S SALARIES (AMENDMENT) BILL, 1989

(As Introduced in the Legislative Assembly)

A

BILL

Further to amend the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries Act, 1971 (*Act No.* 4 *of* 1971).

Be it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Act, 1989.

Amendment of section 10-A.

2. For the existing second proviso to section 10-A of the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries, Act, 1971, the following proviso shall be substituted, namely:— 4 of 1971.

"Provided that journey may also be performed within India by air by the Speaker, or as the case may be by the Deputy Speaker, and his spouse or any other person accompanying him to look after and assist him and in that event an amount equivalent to the expenses incurred on such journey shall be re-imbursed to the Speaker, or as the case may be to the Deputy Speaker, and the amount so re-imbursed shall be adjusted against his entitlement to travel by rail:".

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Section 10-A of the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries Act, 1971, provides that if the journey is performed by Speaker or the Deputy Speaker by air, he shall be paid amount equivalent to one 1st class fare for such journey and if he is accompanied by his spouse or any other person to look after and assist him, he shall be paid an amount equivalent to two 1st class fares for such journey. Since many places in the Pradesh as well as in the country are still not connected by rail it becomes difficult to calculate the amount of such fare. Thus there is ambiguity as well as lacuna in the said provisions regulating the entitlement for journey by air. It has therefore, become necessary to remove the aforesaid ambiguity in the said Act.

The Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

VIRBHADRA SINGH,
Chief Minister.

SHIMLA:
The 19th April, 1989.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to provide for re-imbursement of the expenditure incurred by the Speaker or as the case may be by the Deputy Speaker on a journey performed by him by air and the amount to be re-imbursed is to be adjusted against his entitlement by rail under the existing provisions. Thus the enactment of the proposed provisions will not involve any additional expenditure out of the State exchequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Nil

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[File No. GAD(PA)-4(D)-4/89]

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill, 1989, recommends, under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

Shimla, the 19*th April*, 1989

No. 1-19/89-VS.—In pursuance to rule 135 of the Rules of Procedure ane Conduct of Business of the Himachal Pradesh Legislative Assembly, 1973, the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh, (Amendment) Bill, 1989 (Bill No. 8 of 1989) having been introduced on the 19th April, 1989, in the Himachal Pradesh Vidhan Sabha is hereby published in the Gazette.

LAXMAN SINGH,
Secretary.

1989 का विधेयक संख्यांक 8.

मंत्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) (संशोधन) विधेयक, 1989

(विधान सभा में यथा पुरःस्थापित)

मंत्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) अधिनियम, 1971 (1971 का 3) में और संशोधन करने के लिए विधेयक ।

भारत गणराज्य के चालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

संक्षिप्त नाम ।

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम मंत्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) (संशोधन) अधिनियम, 1989 है ।

धारा 5-क का संशोधन ।

1971 का 3.

2. मंत्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) अधिनियम, 1971 की धारा 5-क में विद्यमान द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्—

"परन्तु यह और कि मंत्री और उसकी पत्नी या उसका पति या उसकी देखभाल और सहायता क लिए उसके साथ यात्रा करने वाला कोई अन्य व्यक्ति, भारत में वायु मार्ग द्वारा यात्रा कर सकेगा और उस दशा में, ऐसी यात्रा पर उपगत व्यय के बराबर की रकम की मंत्री को प्रतिपूर्ति की जाएगी और इस प्रकार की गई प्रतिपूर्ति की रकम का, उसकी ऐसी रेल यात्रा में जिसका वह हकदार है समायोजन किया जाएगा :" ।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

मंत्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) अधिनियम, 1971 की धारा 5-क में उपबन्धित है कि यदि मंत्री द्वारा यात्रा वायु-मार्ग से की जाती है तो उसे ऐसी यात्रा के लिए पहले दर्जे के एक टिकट के किराए के बराबर रकम संदत्त की जाएगी और यदि उसके साथ उसकी पत्नी या पति या उसकी देखभाल और सहायता के लिए कोई अन्य व्यक्ति यात्रा करता है तो उसे ऐसी यात्रा के लिए पहले दर्जे के दो टिकट के किराए के बराबर रकम संदत्त की जाएगी । क्योंकि प्रदेश और देश के अनेक स्थल अभी तक रेल द्वारा जुड़े हुए नहीं हैं जिसके कारण ऐसी यात्रा के किराए की रकम की गणना करना कठिन हो जाता है । इसलिए वायु-मार्ग द्वारा की जाने वाली यात्रा की हकदारी को विनियमित करने वाले उक्त उपबन्धों में, संदिग्धता और कमी है । अतः उक्त अधिनियम में पूर्वोक्त संदिग्धता को दूर करना आवश्यक हो गया है ।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है ।

वीरभद्र सिंह,
मुख्य मंत्री

शिमला:
19 अप्रैल, 1989.

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक के खण्ड 2 में मन्त्री द्वारा वायु-मार्ग से की जाने वाली यात्रा पर उपगत व्यय की उसे प्रतिपूर्ति करने का उपबन्ध किया जा रहा है और प्रतिपूर्ति के रूप में दी जाने वाली रकम का, विद्यमान उपबन्धों के अधीन उसकी ऐसी रेल यात्रा में, जिसका वह हकदार है, समायोजन किया जाएगा । अतः प्रस्तावित उपबन्धों के अधिनियमित होने पर राजकोष से कोई अतिरिक्त व्यय नहीं होगा ।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

—शून्य—

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिश

[संचिका सं0 जी0 ए0 डी0 (पी0 ए0)-4 (डी) 4/89]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, मंत्रियों के वेतन और भत्ता (हिमाचल प्रदेश) (संशोधन) विधेयक, 1989 की विषय-वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं ।

[*Authoritative English text of the Mantriyon ke Vetan aur Bhatta (Himachal Pradesh) (Sanshodhan) Vidheyak*, 1989 (1989 *ka Vidheyak Sankhayank* 8) *as required under Clause* (3) *of Article* 348 *of the Constitution of India*].

Bill No. 8 of 1989.

THE SALARIES AND ALLOWANCES OF MINISTERS (HIMACHAL PRADESH) (AMENDMENT) BILL, 1989

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

further to amend the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971 (*Act No.* 3 *of* 1971).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) (Amendment) Act, 1989.

Amendment of section 5-A.

3 of 1971.

2. For the existing second proviso to section 5-A of the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided further that journey may also be performed within India by air by the Minister and his spouse or any other person accompanying him to look after and assist him and in that event an amount equivalent to the expenses incurred on such journey shall be re-imbursed to the Minister and the amount so re-imbursed shall be adjusted against his entitlement to travel by rail:".

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Section 5-A of the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971, provides that if the journey is performed by a Minister by air, he shall be paid an amount equivalent to one 1st class fare for such journey and if he is accompanied by his spouse or any other person to look after and assist him, he shall be paid an amount equivalent to two 1st class fares for such journey. Since many places in the Pradesh as well as in the country are still not connected by rail, it becomes difficult to calculate the amount of such fare. Thus there is a ambiguity as well as lacuna in the said provisions regulating entitlement of journey by air. It has, therefore, become necessary to remove the aforesaid ambiguity in the said Act.

The Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

VIRBHADRA SINGH,
Chief Minister.

SHIMLA:
The 19th April 1989.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to provide for re-imbursement of the expenditure incurred by a Minister on a journey performed by him by air and the amount to be re-imbursed is to be adjusted against his entitlement by rail under the existing provisions. Thus the enactment of the proposed provisions will not involve any additional expenditure out of the State exchequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

NIL

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[File No. GAD.(PA)-4(D)-4/89]

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) (Amendment) Bill, 1989, recommends, under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हि० प्र०, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।

[*Authoritative English text of the Mantriyon ke Vetan aur Bhatta (Himachal Pradesh) (Sanshodhan) Vidheyak*, 1989 (1989 *ka Vidheyak Sankhayank* 8) *as required under Clause* (3) *of Article* 348 *of the Constitution of India*].

Bill No. 8 of 1989.

THE SALARIES AND ALLOWANCES OF MINISTERS (HIMACHAL PRADESH) (AMENDMENT) BILL, 1989

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

further to amend the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971 (*Act No.* 3 *of* 1971).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) (Amendment) Act, 1989.

Amendment of section 5-A.

2. For the existing second proviso to section 5-A of the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971, the following proviso shall be substituted, namely:— 3 of 1971.

"Provided further that journey may also be performed within India by air by the Minister and his spouse or any other person accompanying him to look after and assist him and in that event an amount equivalent to the expenses incurred on such journey shall be re-imbursed to the Minister and the amount so re-imbursed shall be adjusted against his entitlement to travel by rail;".

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Section 5-A of the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Act, 1971, provides that if the journey is performed by a Minister by air, he shall be paid an amount equivalent to one 1st class fare for such journey and if he is accompanied by his spouse or any other person to look after and assist him, he shall be paid an amount equivalent to two 1st class fares for such journey. Since many places in the Pradesh as well as in the country are still not connected by rail, it becomes difficult to calculate the amount of such fare. Thus there is a ambiguity as well as lacuna in the said provisions regulating entitlement of journey by air. It has, therefore, become necessary to remove the aforesaid ambiguity in the said Act.

The Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

VIRBHADRA SINGH,
Chief Minister.

SHIMLA:
The 19th April 1989.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to provide for re-imbursement of the expenditure incurred by a Minister on a journey performed by him by air and the amount to be re-imbursed is to be adjusted against his entitlement by rail under the existing provisions. Thus the enactment of the proposed provisions will not involve any additional expenditure out of the State exchequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

NIL

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[File No. GAD.(PA)-4(D)-4/89]

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) (Amendment) Bill, 1989, recommends, under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हि० प्र०, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।